एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

किन्नू की खेती, कब और कैसे करें

(*डॉ. मुकेश कुमार एवं डॉ. निशा)
सहायक प्राध्यापक (कृषि विभाग), श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़ (राजस्थान)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: bishnoimukesh493@gmail.com

किन्नू की खेती का आकर्षण पारम्परिक खेती करने वाले किसानो के साथ-साथ युवा पीढ़ी के किसानो के बीच तेज़ी से बढ़ रहा है. किन्नू की खेती देश के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, हरियाणा राज्यों में की जा रही है. लेकिन पंजाब में किन्नू सर्वाधिक उत्पादन होने की वजह से यह पंजाब की मुख्य फसल कही जाने लगी है. पारम्परिक खेती के मुकाबले इसकी खेती से आमदनी की अपार सम्भावनाएं है.

जलवायु: किन्नू की खेती के लिए गर्म अर्धशुष्क जलवायु अच्छी मानी जाती है. इसकी फसल के लिए 13 डिग्री से 37 डिग्री सेल्सियस सर्वोतम माना गया है तथा किन्नू हार्वेस्टिंग टेम्प्रेचर 20-32 डिग्री सेल्सियस के मध्य होना चाहिए. इसकी फसल के लिए 300-400 मिलिमीटर बारिश पर्याप्त होती है.

मिट्टी: किन्नू की खेती के लिए उचित जल निकासी वाली चिकनी मिट्टी, दोमट मिट्टी में बढ़िया मानी गई है. इसकी खेती के लिए मिट्टी का पीएच 5.5-7.5 के बीच होना चाहिए. किन्नू की खेती के लिए नमकीन और क्षारीय मिट्टी में उत्तम नहीं मानी गई है.

खेत कैसे तैयार करें: बसे पहले मिट्टी पलटने वाले हल से खेत की गहरी जुताई खेत को कुछ दिन के लिए खुला छोड़ दें ताकि खेत में मौदूज खरपतवार और कीट नष्ट हो जायेंगे. इसके बाद आवश्यकतानुसार पुरानी गोबर की खाद खेत में डालकर 2-3 आडी-तिरछी गहरी जुताई कर पलेवा करें. खेत की ऊपरी सतह सूख जाने पर फिर से जुताई कर रोटावेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें.

गड्ढे कैसे तैयार करें: किन्नू के पौधे लगाने के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर 60×60×60 CM आकार वाले गड्ढे खोद लें. इन गड्ढों में 10 KG रूडी और 500 GM सिंगल सुपर फास्फेट का मिश्रण डालें.

किस मौसम में लगाए: किन्नू के पौधों की रोपाई जून के सितंबर महीने के मध्य की जा सकती है.
एक एकड़ में कितने पौधे लगाये: एक एकड़ के खेत में तक़रीबन 200 से 210 किन्नू के पौधों की आवश्यकता होती है.

नर्सरी कैसे तैयार करें: किन्नू के बीजो की सीधे रोपाई बजाय उनकी नर्सरी तैयार करनी चाहिए. नर्सरी में बीजो को 2X1 मीटर आकार वाले बैड पर 15 CM की दूरी पर कतारों में लगाए. नर्सरी में किन्नू के पौधे 10 से 12 CM के हो जाये तो उसकी रोपाई खेत में तैयार गड्ढों में कर देनी चाहिए. बीजो का प्रजनन टी-बडिंग विधि के जरिये कर लें

पौधों के लिए उर्वरक – किन्नू की फसल की मात्रा नीचे बताई गई है उसके अनुसार किन्नू के पौधों में खाद डालें

1-3 साल के पौधों के लिए – 10-30 किलो रूडी की खाद, 240-720 ग्राम यूरिया प्रति पौधा डालें.

4-7 साल के पौधों के लिए – 0-80 किलो रूडी की खाद, 960-1680 ग्राम यूरिया और 1375-2400 ग्राम सिंगल सुपर फासफेट प्रति पौधा डालें.

8 साल के पौधों के लिए- 100 किलो रूडी की खाद, 1920 ग्राम यूरिया और 2750 ग्राम सिंगल सुपर फासफेट प्रति पौधा डालें.

रूडी उर्वरक की पूरी मात्रा दिसंबर के महा में डालें, जबकि यूरिया को दो बराबर भागों में डालें. पहला फरवरी और दूसरा अप्रैल-मई महीने में डालें. यूरिया का पहला हिस्सा डालते समय सिंगल सुपर फासफेट की पूरी मात्रा डालें.

अगर किन्नू के फल गिरते है तो 2,4-डी 10 ग्राम को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर पौधों पर छिड़काव करें. पहला छिड़काव मार्च के आखिर और फिर अप्रैल के आखिर में करें. अगस्त और सितंबर महीने के आखिर में स्प्रे करें.

सिंचाई : किन्नू के पौधों को शुरआत में अधिक पानी की आवश्यकता पड़ती है. खेत में नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिचाई करें. 4 से 5 साल पुराने पौधों के लिए हफ्ते में एक बार पानी देना आवश्यक होता है. और अधिक पुराने पौधों को को आवश्यकतानुसार पानी दें.

खरपतवार नियंत्रण: किंन्तु के पौधों को शुरआत में खरपतवार से बचाना बेहद जरुरी होता है इसके लिए पौधों की निराई/गुड़ाई करें. इसके पौधों की पहली गुड़ाई पौध रोपाई के 20 से 25 दिन बाद करें. बाकी निराई/गुड़ाई आवश्यकतानुसार करें.

रोग एवं उपचार: सिल्ला, पत्ते का सुरंगी की, चेपा, जूं, मिली बग, पत्ता लपेट सुंडी, सफेद मक्खी और काली मक्खी, टहनियों का सूखना, किन्नुओं का हरापन, गोंदिया रोग आदि रोग और कीटों का प्रकोप रहता है इसके लिए आप अपने कृषि वैज्ञानिक की सलाह लेकर उचित उपचार करें.

किन्नू के फलो की तुड़ाई कब करें: सामन्यतः किन्नू के फलो की तुड़ाई जनवरी से फ़रवरी के मध्य की जाती है. लेकिन उचित आकर और फलों का रंग आकर्षित होने लगे तो समझों फल तोड़ने के लिए तैयार है. फलो को तोड़ने के लिए आपको एक ठंडी की जरुरत पड़ेगी इसके अलावा कैंची की सहायता से किन्नू के फलो की तुड़ाई की जा सकती है. किन्नू के फलो की तुड़ाई सावधानी पूर्वक करनी चाहिए जिससे फलों में कोई दाग न लगे और अधिक मुनाफा मिल सके. किन्नू के फलो की तुड़ाई करने के बाद उनकी धुलाई कर छांव में सुखा लें. ध्यान रहे कि फलो को धूप में कतई न सुखाएं.

पैदावार: किन्नू के पेड़ से लगभग 75 से 180 किलो तक उत्पादम मिल सकता है. और इसका उत्पादन इसकी कीमों पर भी आश्रित होता है. बाजार में अधिक डिमांड होने की वजह से इसको बेचने में कोई परेशानी नहीं आती है. देश -दिल्ली, कोलकाता, पंजाब, हैदराबाद, विदेश- श्रीलंका, बांग्लादेश, सऊदी अरब मैं इसकी बहुत डिमांड रहती है. किन्नू की खेती करने से किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते है.